B.A. 3rd Semester (General) Examination, 2018 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : SEC-I

Full Marks: 40

Time: 2 Hours

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

Answer the questions either from Group-A or Group-B

Group-A

বিভাগ: ক

2×5=10

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *पञ्चप्रश्ना:* समाधेया:।

অধোলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে *যে কোনো পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) आयुर्वेदशास्त्रस्य उत्स: कस्मिन् वेदे उपलभ्यते?

আয়ুর্বেদশাস্ত্রের উৎস কোন বেদে উপলব্ধ হয়?

(b) के तावत् रोगाणां चत्वारो भेदा:?

রোগের চারটি প্রকারভেদ কী কী?

(c) कानि दक्षभिषगादीनां लक्षणानि?

দক্ষ বৈদ্যের লক্ষণগুলি কী কী?

(d) 'चिकित्सासारसंग्रह'– इति ग्रन्थस्य रचयिता क:?

'চিকিৎসাসারসংগ্রহ'— গ্রন্থের রচয়িতা কে?

(e) चिकित्साया: चत्वार: पादा: के सन्ति?

চিকিৎসার চারটি পাদ কী কী?

(f) वाजीकरणमित्यनेन किं बोध्यते?

'বাজীকরণ' বলতে কী বোঝায়?

(g) को नाम वृक्षायुर्वेद:?

বৃক্ষায়ুর্বেদ কী?

(h) जीवकविरचित: आयुर्वेदग्रन्थ: क:?

জীবকবিরচিত আয়ুর্বেদগ্রন্থ কোনটি?

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाक्रमं *द्वितयं* समाधीयताम्। 5×2=10

अधोलिखित प्रश्नसमूहের মধ্যে *যে কোনো দুইটির* উত্তর দাও :

(a) सुश्रुतसंहिता-विषये संक्षिप्ता टीका विरचनीया।

সুশ্রুতসংহিতা সম্বন্ধে সংক্ষিপ্ত টীকা রচনা করো।

(b) वाग्भट्ट विरचितानाम् आयुर्वेद ग्रन्थानां परिचयो देयः।

বাগ্‌ভট্ট বিরচিত আয়ুর্বেদ গ্রন্থসমূহের পরিচয় দাও।

(c) द्रव्यगुणविषये आयुर्वेदशास्त्रे यदुच्यते तद् विशदीक्रियताम्।

দ্রব্যগুণবিষয়ে আয়ুর্বেদশাস্ত্রে যা বলা হয়েছে তা বিস্তৃতভাবে আলোচনা করো।

(d) नागार्जुनः कः आसीत्? आयुर्वेदशास्त्रे तस्य अवदानं किमस्ति?

নাগার্জুন কে ছিলেন? আয়ুর্বেদশাস্ত্রে তাঁর অবদান কী?

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाक्रमं *द्वितयं* समाधीयताम्। 10×2=20

অধোলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে *যে কোনো দুইটির* উত্তর দাও :

(a) आयुर्वेदशास्त्रस्य इतिवृत्तं यथामति आलोच्यताम्।

আয়ুর্বেদশাস্ত্রের ইতিহাস সম্বন্ধে যা জান লেখো।

(b) कानि तावद् आयुर्वेदस्य अष्टाङ्गानि? चिकित्साशास्त्रे तेषामुपयोगो विचार्यताम्।

আয়ুর্বেদের আটটি অঙ্গ কী কী? চিকিৎসাশাস্ত্রে তাদের উপযোগিতা কী তা বিচার করো।

(c) आयुर्वेदशास्त्रे ऋतुचर्याविषये यदुच्यने तद्विशदीक्रियताम्।

আয়ুর্বেদশাস্ত্রে ঋতুচর্যাবিষয়ে যা বলা হয়েছে তা বিস্তৃত আকারে আলোচনা করো।

(d) चरकसंहितामाश्रित्य नातिदीर्घः प्रबन्धो विरचनीयः।

চরকসংহিতা অবলম্বনে সংক্ষিপ্ত প্রবন্ধ রচনা করো।

अथवा,

অথবা,

Group-B

विभाग: ख

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *पञ्चप्रश्नाः* समाधेयाः। 2×5=10

অধোলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে *যে কোনো পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর দাও :

(a) को नाम योगः?

যোগ বলতে কী বোঝায়?

(b) कति योगाङ्गानि सन्ति? तेषां नामानि लिख्यन्ताम्।

যোগের অঙ্গ কতগুলি? তাদের নাম লেখো।

(c) योगसूत्रस्य प्रख्यातः टीकाकारः कः? का तस्य टीका?
যোগসূত্রের প্রখ্যাত টীকাকার কে? তাঁর টীকার নাম কী?

(d) स्तम्भवृत्ति इत्युक्तौ किं बोध्यते?
'স্তম্ভবৃত্তি' বলতে কী বোঝায়?

(e) के तावत् योगसूत्रस्य चत्वारःपादाः?
যোগসূত্রের চারটি পাদ কী কী?

(f) 'अथ योगानुशासनम्'– अत्र अथ-शब्दस्य कोऽर्थः?
'अथ योगानुशासनम्'— এখানে 'অথ' শব্দের অর্থ কী?

(g) किं नाम ईश्वरप्रणिधानम्?
'ঈশ্বরপ্রণিধানম্' বলতে কী বোঝায়?

(h) को नाम अपरिग्रहः?
'অপরিগ্রহ' বলতে কী বোঝায়?

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं *द्वितयं* समाधीयताम्। 5×2=10
অধোলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো দুইটির* উত্তর দাও ঃ

(a) चित्तवृत्तिनिरोधः कथं सम्भवति?
চিত্তবৃত্তিনিরোধ কীভাবে সম্ভব— আলোচনা করো।

(b) ''तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः प्राणायामः''– व्याख्यायताम्।
''तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः प्राणायामः''— ব্যাখ্যা করো।

(c) योगसूत्रमनुसृत्य यमाङ्गानां स्वरूपमालोच्यताम्।
যোগসূত্র অনুসারে যমাঙ্গসমূহের স্বরূপ আলোচনা করো।

(d) 'स्थिरसुखमासनम्'– व्याख्यायताम्।
'स्थिरसुखमासनम्'— ব্যাখ্যা করো।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं *द्वितयं* समाधीयताम्। 10×2=20
অধোলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে *যে কোনো দুইটির* উত্তর দাও ঃ

(a) चित्तवृत्तेः स्वरूपं योगसूत्रानुसारतः विशदीक्रियताम्।
চিত্তবৃত্তির স্বরূপ যোগসূত্রানুসারে বিস্তৃতভাবে আলোচনা করো।

(b) योगसूत्रमनुसृत्य वैराग्यस्य स्वरूपम् आलोच्यताम्। किं नाम परवैराग्यम्?
যোগসূত্র অনুসরণে বৈরাগ্যের স্বরূপ আলোচনা করো। পরবৈরাগ্য বলতে কী বোঝায়?

(c) नियमाङ्गानां विषये पातञ्जलयोगसूत्रे यदुच्यते तद्विशदीक्रियताम्।
নিয়ম নামক যোগাঙ্গ সম্বন্ধে পাতঞ্জলযোগসূত্রে যা বলা হয়েছে তা বিস্তৃত আকারে আলোচনা করো।

(d) अभ्यासस्वरूपम् आलोच्यताम्। स कथं दृढभूमिः भवति इति योगसूत्रानुसारतः आलोच्यताम्?
অভ্যাসের স্বরূপ আলোচনা করো। অভ্যাস কীভাবে 'দৃঢ়ভূমি' হয় তা যোগসূত্র অবলম্বনে আলোচনা করো।